म्हारा हरियाणा, सक्षम हरियाणा

CREATIVE ANDCRITICAL THINKING

REFERENCE & PRACTICE

MATERIAL

Hindi, Class-8

(जब सिनेमा ने बोलना सीखा व सुदामा चरित पाठाधारित)

TESTING AND ASSESSMENT WING

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH & TRAINING

GURUGRAM (HARYANA)

प्रतिमान -1 सुदामा चरित आधारित

एक गांव में राम और मोहन नाम के दो बच्चे रहते थे । दोनों अच्छे दोस्त थे। वे हमेशा एक साथ खेलते ,स्कूल जाते तथा एक दूसरे की मदद करते थे । दोनों का पढ़ाई में खूब मन लगता था । एक दिन राम के मौसा जी उनके घर आए द्य रात का भोजन करने के बाद राम दीपक की रोशनी में पढ़ रहा था । उसकी पढ़ाई में लगन को देखकर उसके मौसा जी उसे अपने साथ शहर ले गए और अच्छे स्कूल में पढ़ाना शुरू कर दिया । जबकि उसका दोस्त गांव के उसी स्कूल में पढ़ता रहा। कई वर्षों बाद राम अपनी पढ़ाई पूरी करके गांव वापस आया। अब वह डॉक्टर बन चुका था। घर आते ही राम दौड़कर अपने दोस्त से मिलने गया। मोहन की दशा देखकर राम बहुत दुखी हुआ , उसे गले लगा कर रोने लगा। मोहन गरीबी के कारण छोटी उम्र में ही पढ़ाई छोड़कर मजदूरी करने लग गया था। राम चाहता तो वह शहर जाकर खूब पैसा कमा सकता था, परंतु उसने गांव में ही अस्पताल खोला , जिसका प्रबंधन उसने मोहन को दे दिया। दोनों ने खूब मन लगाकर काम किया और कुछ ही सालों में छोटा अस्पताल बड़ा बन गया था । इस प्रकार राम ने अपने दोस्त मोहन को तो गरीबी से निकाला ही साथ ही समाज सेवा भी की।

प्र०.1 राम के मन में समाज सेवा की भावना किस कारण जागृत हुई ?

प्र०.2छोटी उम्र में जो बच्चे मजदूरी करते हैं , उस मजदूरी को सरकार द्वारा क्या नाम दिया गया है?

प्र०.3 शहरी तथा ग्रामीण जीवन में क्या अंतर है ?

प्र०.4 राम अपने गांव में वापस आते ही सबसे पहले किस से मिलने गया और क्यों ?

प्र०.5 राम की एक साल की कुल आमदनी 680000 रूपए है उसमें से वह 15% समाज सेवा के लिए दान रूप में देता है तो बताओ कि वह प्रतिवर्ष कितना धन दान देता है ?

सुभाष चंद्र, प्रवक्ता,राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कुत्ताबगढ,सिरसा

प्रतिमान -2 सुदामा चरित आधारित

नहीं धर्म अरु जात का, दिखा कभी संयोग।
मित्र सदा मन में बसे, मन से मन का योग।
मित्र कभी लेता नहीं, बस देने की बात।
जिसमें स्वार्थ है बसा, मित्र नहीं वह घात।
शब्दों में गाली भरी, मन में बसता प्यार।
मित्र जहां भी मिल गए, मन होता गुलजार।
मित्र स्वर्ग की देन है, मित्र धरा के रंग।
मित्र सदा मन में बसे, बन जीवन के ढंग।
कृष्ण सुदामा मित्रता, देती है संदेश।
ऊंच नीच से दूर हैं, मित्रों के परिवेश।

प्रश्न :-

1. सच्ची मित्रता में क्या नहीं देखा जाता?
2. मित्र बनाते हुए क्या ध्यान रखना चाहिए?
3. आज के युग में भी लोग कृष्ण - सुदामा की मित्रता का उदाहरण क्यों देते हैं?
4. हम चार मित्रों ने कुछ केले खरीदे। उनमें 4 केले खराब निकले। यदि हममें से प्रत्येक के हिस्से 5 केले आए हों तो कुल कितने केले थे?
5. मैंने अपने मित्र को 1500 रुपए उधार दिए। उसने एक बार मुझे 650 रुपए और दूसरी बार 450 रुपए दिए। बाकी पैसे देने से इंकार कर दिया। बताओ मुझे कितने रुपए का नुकसान हुआ?

-मंजू रानी ,हिंदी अध्यापिका, रा. व. मा. विद्यालय शमालहेरी, अंबाला

प्रतिमान -3 सुदामा चरित आधारित

कृष्ण से मिलने आज सुदामा आए हैं
सोच रहे क्या कृष्ण उन्हें पहचानेंगे,
वो हैं उनके बाल सखा क्या मानेंगे,
वस्त्र पुराने ,नंगे पांव,देख सकुचाए है,
कृष्ण से मिलने आज सुदामा आए हैं|
खड़े द्वारपालों से विनती करते हैं,
मोहन संग मिलने को वो कब से तरसते हैं,
सेवक सुनकर विनय, संदेश पठाए हैं,
कृष्ण से मिलने आज सुदामा आए हैं|
बचपन की बातें कर दोनों मुस्कुराते हैं,
क्या होती है मित्रता सबको बतलाते हैं,
दोनों के किस्से आज जहां ये गाए हैं,
कृष्ण से मिलने आज सुदामा आए हैं|

प्रश्न 1 आपने महाभारत में कृष्ण लीला देखी है। किसी एक प्रसंग का वर्णन कीजिए जिसमें सुदामा और कृष्ण साथ- साथ हों।
प्रश्न 2 श्री कृष्ण के स्थान पर आप होते तो आप क्या करते और सुदामा के स्थान पर होते तो आप मदद मांगने जाते?
प्रश्न 3 सच्चे दोस्त बनते हुए क्या आपने कभी किसी दोस्त की सहायता की है । अगर हां तो कैसे?
प्रश्न 4 वर्तमान युग में धन के नशे में व्यक्ति अपने परिवार के सदस्यों तक को भूल जाता है मित्र तो दूर की बात है। क्या कृष्ण सुदामा जैसी मित्रता आज सार्थक हो सकती है? उत्तर दें|
प्रश्न 5 जब सुदामा और कृष्ण साथ -साथ खेलते थे | तब सुदामा की आयु पूरी 8 वर्ष थी, लेकिन सुदामा मिलने आते हैं ,तब वह 18 वर्ष 6 महीने 10 दिन के थे| बताओ कुल कितने दिन बाद सुदामा कृष्ण से मिलने आते हैं ?

- **डॉ. हरीश कुमार** , **प्रवक्ता,** ज़िला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान बिरहीकलां, भिवानी।

प्रतिमान -4 सुदामा चरित आधारित

निर्मल मन निश्छल रहे ,उत्तम रहे चरित्र।
हो परहित की भावना, वह सच्चा मित्र।।
त्यागशील निस्वार्थ, करता हो सहयोग।
ऐसे मित्र बनाइये मिले कही संयोग।।
कृष्ण सुदामा सा रहे, हर पल अपने साथ।
मित्र हमें देना प्रभु, नित्य निबाऊँ माथ।।
कठिन परिस्थिति में सदा, जो देता हो साथ।
ऐसे मित्र बनाइये, सदा मिलाए हाथ।।
उपरोक्त दोहों के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए.

प्रश्न 1. आपके अनुसार सच्चे मित्र में क्या गुण होने चाहिएँ?

प्रश्न.2 किसी कृष्ण भक्त कवि/कवयित्री का कोई एक दोहा या पद लिखें ।

प्रश्न.3 कौन सी जोड़ी सच्ची मित्रता के प्रतिकूल है -

क. कृष्ण - सुदामा

ख. कर्ण - दुर्योधन

ग. सुग्रीव - राम

घ. द्रोण- द्रुपद

प्रश्न.4 कृष्ण सुदामा का कौन सा गुण आपको प्रभावित करता है?प्रश्न 5. यदि आप अपने मित्र के जन्मदिन पर उसके लिए एक शर्ट खरीदते हैं,जिसका बाजारी मूल्य 1260 रूपए है।यदि इस शर्ट पर दुकानदार 15% की छूट देता है।तो आपको कितने रुपए की छूट मिलेगी?

-किरण बाला, प्रवक्ता ,रा० क० व० मा० वि० डीघल, बेरी, झज्जर।

प्रतिमान -5 सुदामा चरित आधारित

बिप्र सुदामा बसत हैं, सदा आपने धाम

भिक्षा करि भोजन करै, हिये जपैं हरिनाम

ताकी धरनी पतिव्रता, गहे वेद की रीति

सुलज, सुसील, सुबुद्धि अति, पति सेवा में प्रीति

कही सुदामा एक दिन, कृस्ण हमारे मित्र

करत रहति उपदेश तिय, ऐसो परम विचित्र

महाराज जिनके हितू , हैं हरि यदुकुलचंद

ते दारिद संता पते, रहैं न क्यों निरद्वंद्व

काव्य आधारित प्रश्न-

1. भगवान श्री कृष्ण यदुकुल से संबंधित थे, तो बताइए भगवान राम कौन-से कुल से संबंधित थे।

2. चौथी पंक्ति में 'सु' उपसर्ग से तीन शब्द बने हुए हैं; ऐसे ही 'सु' शब्द से बनने वाले कोई अन्य तीन शब्द लिखिए।

3. क्या आपने कभी भी अपने किसी मित्र की मदद की है? अपना अनुभव 50 - 60 शब्दों में लिखें।

4. 'सुबुद्धि' का विपरीत शब्द बताकर, उसे वाक्य में प्रयोग करें।

5. आशीष और संदीप दो मित्र थे। संदीप के पिताजी अचानक बीमार हो गए, जिस कारण उसे अचानक पैसों की जरूरत पड़ी। इसीलिए उसने आशीष से पैसे माँगे। आशीष के पास रूपए नहीं थे परन्तु वह अपने दोस्त की मदद करना चाहता था, इसीलिए उसने 35000 रूपए 10 रुपए प्रति सैंकड़ा की ब्याज दर पर उधार लिए और संदीप को दे दिए। संदीप को बताए बिना ही वह हर महीने ब्याज देता रहा। यदि संदीप ने 6 महीने बाद रूपए लौटाए, तो बताइए 6 महीने में आशीष ने कुल कितने रूपए ब्याज के दिए।

-इन्दुबाला, प्रवक्ता, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, गुरुग्राम

प्रतिमान- 6 जब सिनेमा ने बोलना सीखा पाठ पर आधारित स्वरचित गद्यांश

अक्सर पढ़ने वाले बच्चों को फिल्में देखने की इजाज़त नहीं दी जाती, क्योंकि लोगों की धारणा है कि फिल्में बच्चों पर बुरा प्रभाव डालती हैं। पर यह सही नहीं है। सामाजिक, शैक्षिक मुद्दों पर बहुत सी ऐसी फिल्में बनी हैं, जिन्होंने दुनिया को देखने का नजरिया बदला है।उनमें से एक फिल्म है थ्रीइडियट। चेतन भगत के उपन्यास 'फाइव प्वाइंट समवन' से प्रेरित फिल्म थ्री इडियट के द्वारा राजकुमार हिरानी ने वर्तमान शिक्षा प्रणाली तथा माता-पिता का बच्चों पर कुछ बनने का दबाव और किताबी ज्ञान की उपयोगिता पर मनोरंजक तरीके से सवाल उठाए हैं। फिल्म कहती है कि कामयाब नहीं, काबिल बनो। यह हमारी मौजूदा रट्टामार शिक्षा प्रणाली पर करारा व्यंग्य है। फिल्म को देखकर प्रत्येक विद्यार्थी एक बार अवश्य सोचता है कि हम जो पढ़ रहे हैं, उसकी हमारे जीवन में क्या उपयोगिता है ?

प्रश्न 1. पढ़ने वाले बच्चों को फिल्मों से दूर क्यों रखा जाता है ?

प्रश्न2. 'कामयाब नहीं,काबिल बनो' उक्ति से क्या अभिप्राय है ?

प्रश्न 3. 'थ्री इडियट' फ़िल्म ने चार सप्ताह में 644 करोड़ की कमाई की। बताइए फ़िल्म की प्रतिदिन की कमाई कितनी थी ?

(क) 28 करोड़ (ख) 23 करोड़

(ग) 44 करोड़ (घ) 64 करोड़

प्रश्न 4 . रटंत विद्या से मुक्ति क्यों आवश्यक है ?

प्रश्न 5. माता - पिता द्वारा बच्चों पर पढ़कर कुछ बनने का दबाव डालना क्यों उचित नहीं है ?

- **ललिता पहल, प्रवक्ता, रा. व.मा. वि. साँवड़ , बौन्दकलां**

प्रतिमान -7 जब सिनेमा ने बोलना सीखा पाठ पर आधारित स्वरचित गद्यांश

संसार रूपी शरीर में इंटरनेट सांसो की भांति प्रवाहित होता है। एक पल भी नेट में व्यवधान हो जाए तो शरीर की कार्यक्षमता शिथिल हो जाती है। भारत में इस ऑक्सीजन सिलेंडर को 15 अगस्त 1995 में विदेश संचार निगम लिमिटेड ने अपनी टेलीफोन लाइन के माध्यम से कंप्यूटर सेवा में प्रदान किया धीरे धीर -इंटरनेट की शीतल -शीतल मधुर -मधुर सुगंध भारत के प्रत्येक विभाग में प्रवेश कर गई। अब कोई भी काम हो यदि किसी को शुभ मुहूर्त की जानकारी चाहिए तो लोग पंडित के पास नहीं जाते अपितु आज के शुभ मुहूर्त खोलकर विद्वान पंडित गूगल की शरण में पहुंच जाते हैं। किसी बच्चे का कोई सवाल हल नहीं हो रहा हो तो गूगल द ग्रेट टीचर का दरवाजा खटखटाते हैं और जवाब हाजिर हो जाता है। किसी गृहिणी को कोई नई रेसिपी बनानी है तो अब किसी की आवश्यकता नहीं, सीधा यूट्यूब चैनल को आवाज लगाती हैं और रेसिपी हाजिर हो जाती है । साहित्यकारों ,पत्रकारों, कलाकारों ,व्यापारी वर्ग हो, यात्रा टिकट बनवानी हो अथवा बिल का भुगतान करना है। खरीदारी की इच्छा हो रही है तो भिन्न भिन्न-ऐप डाउनलोड करें और अलादीन के चिराग की भांति सब कुछ हाजिर हो जाता है। वाह, क्या बात है! इंटरनेट आधुनिक युग की सबसे बड़ी उपलब्धि है। सचमुच इंटरनेट ने जीवन का परिवेश ,जीवन के तौर - तरीके बदल दिये हैं।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

प्रश्न-1 इंटरनेट को ऑक्सीजन क्यों कहा गया है

1 अधिक प्रयोग के कारण 2 अधिक आवश्यकता के कारण

3 अधिक लाभ के कारण 4 उपरोक्त सभी

प्रश्न-2 किसी सामान की खरीदारी के लिए कौन से ऐप का प्रयोग कर सकते हैं?

1 अमेजॉन 2 स्नैपडील 3 फ्लिपकार्ट 4 उपरोक्त सभी

प्रश्न 3 कुशल गृहिणी ने यूट्यूब से रेसिपी लेकर 1 किलो गरमा -गरम जलेबी बनाई अब गृहणी पहले से अधिक कुशल कैसे हो गई हैं ?

1इंटरनेट के प्रयोग के कारण 2 यूट्यूब के प्रयोग के कारण

3 इनमें से कोई नहीं 4 एक व दो के कारण

प्रश्न 4 घर के बुजुर्ग किसी काम को 8 मिनट में पूरा कर सकते हैं बच्चे उसे 12 मिनट में पूरा कर सकते हैं तो बताइए दोनों मिलाकर उसे कितने मिनट में पूरा करेंगे?

1. 4*4/5 मिनट
2. 5 मिनट
3. 6 मिनट
4. 7 मिनट

प्रश्न 5 इंटरनेट का बहुत अधिक प्रयोग क्यों नहीं करना चाहिए? कोई दो तर्क दीजिए

-डॉ० अनीता भारद्वाज , प्रवक्ता, रा. उ. क. विद्यालय सांजरवास बौंन्दकलां चरखी दादरी

प्रतिमान-8 जब सिनेमा ने बोलना सीखा आधारित

चार्ली की अधिकांश फिल्मों में भाषा का इस्तेमाल नहीं किया इसी कारण उन्हें और ज़्यादा मानवीय होना पड़ा। सवाक चित्र पट पर बहुत से कॉमेडियन हुए हैं किन्तु उन जैसा सामर्थ्य किसी में नहीं है। वे बिना बोले ही दर्शकों का हँसा-हँसाकर दम निकाल देते थे। युवा होते हुए भी उनमें एक बच्चा छिपा हुआ था। वे हमें कभी विदेशी नज़र नहीं आये। उनमें हमे शाहम अपनी ही छवि देखते हैं। उन्होंने हमें खूब हँसाया। राजकपूर की "आवारा" फिल्म केवल अनुवाद नहीं थी बल्कि उनका भारतीयकरण थी। "आवारा" और "श्री 420" फिल्मों से पहले भारत के नायकों में अपने ऊपर हँसने की परंपरा नहीं थी। राजकपूर के बाद दिलीप कुमार ने "गोपी किशन" और "बाबुल" जैसी फिल्में बनाई। देवानंद ने "नौ-दो-ग्यारह" और "फंटूश" बनाई। श्री देवी ने भी चार्ली को अपनाया।

प्रश्न-1 चार्ली चैपलिन किस प्रकार के कलाकार थे ?

प्रश्न-2 किन - किन कलाकारों ने चार्ली को अपनाया ?

प्रश्न-3 सवाक फिल्मों से आप क्या समझते हैं ?

प्रश्न-4 किसी फिल्म की 2 टिकट 330 रूपए की आती हैं तो 1000 रूपए में अधिक से अधिक कितनी टिकट आएँगी ?

प्रश्न-5 एक धारावाहिक की कड़ी प्रत्येक शनिवार को आती है और 30 मिनट तक चलती है , यदि वर्ष में 53 शनिवार आएं तो उनकी कड़ियाँ कितने घंटे चलेंगी ?

- **डॉ०** स्वीटी, प्रवक्ता, रा. व. मा. वि. सैक्टर 4-7 गुरूग्राम

प्रतिमान-9 जब सिनेमा ने बोलना सीखा आधारित

सिनेमा बीसवीं सदी में मानव जाति को मिले कुछ बेशकीमती वैज्ञानिक उपहारों में से एक है । इसने विश्व के मनोरंजन के परिदृश्य में एक क्रांति ला दी है क्योंकि इससे पहले नाटक, नौटंकी व त्योहारों के अवसर पर लगने वाले मेले ही लोगों के मनोरंजन का प्रमुख साधन थे । क्योंकि ऐसे समागम कभी-कभी ही आयोजित हुआ करते थे , अतः मनोरंजन के मामले में लोग सदा ही अतृप्त रहा करते थे ।सिनेमा लोगों के लिये मनोरंजन का एक उतम साधन बनकर सामने आया है क्योंकि इसे किसी भी वर्ग जाति या धर्म के लोग एक साथ देख सकते हैं तथा इसका आनन्द पूरा पारिवार एक साथ बैठ कर उठा सकता है । यह मनोरंजन का एक सुलभ साधन बन गया है । भारत में अंग्रेजों के शासन काल से ही फिल्में बनने का सिलसिला आरम्भ हुआ जिसका सफर मूक, संवाद के साथ मगर श्वेत-श्याम और फिर रंगीन फिल्मों के दौर से गुजरा | पुरानी फिल्मों और आज के दौर की फिल्मों में एक बडा अंतर है कि जहाँ पुरानी फिल्में समाज के सभी वर्गों को ध्यान में रखकर बनाई जाती थी , वहीं आज का सिनेमा पारिवारिक एवं नैतिक हितो की कई तरह से अनदेखी करता है । जहाँ तक सिनेमा और समाज के आपसी सम्बधी की बात है, दोनों अपनी-अपनी सीमा तक एक दूसरे को प्रभावित करते हैं । हर दशक का सिनेमा तेजी से परिवर्तित होते समाज को दर्शाता है । सिनेमा और समाज एक दूसरे के पूरक भी हैं । व्यक्ति थोडी देर के लिये ही सही , अपने दुखपूर्ण संसार से बाहर आ जाता है । जिस प्रकार साहित्य को समाज का दर्पण कहा जाता है , उसी प्रकार सिनेमा भी समाज का दर्पण बनता दिखाई दे रहा है ।

प्रश्न 1 'सिनेमा समाज का दर्पण है ' पंक्ति से आपका क्या अभिप्रायहै?

प्रश्न 2 अपने बुजुर्गों से सुनी बातों के आधार पर बताएं कि प्राचीन काल में लोगों के मनोरंजन का साधन क्या था ?

प्रश्न 3 नीचे दी गई भारतीय फिल्मों का उनके नाम व वर्ष के साथ सही मिलन करों |

(i) पहली मूक फिल्म	(i) (1937)
(ii) पहली बोलती फिल्म	(ii) (1931)
(iii) पहली रंगीन फिल्म	(iii) (1913)

प्रश्न 4 किसी एक फिल्म का नाम लिखो जो आपको सबसे अच्छी लागती हो तथा क्यों 2-3 पंक्तियों में उत्तर लिखिए ?

प्रश्न 5 एक फिल्म निर्माता 55 करोड़ की लागत से फिल्म का निर्माण करता है | वह इस राशी में से ¾ भाग अभिनेता को तथा 3/5 अभिनेत्री को देता है तो बताओ अभिनेता को अभिनेत्री से कितनी अधिक राशी मिलती है ?

(i) 82500000 करोड़

(ii) 77550000 करोड़

(iii) 98200000करोड़

(iv) 69520000 करोड़

- **सरिता कुमारी बी. आर. पी. हिंदी, खंड-बेरी ,झज्जर**

प्रतिमान-10 जब सिनेमा ने बोलना सीखा आधारित

सिनेमा जनसंचार एवं मनोरंजन का लोकप्रिय माध्यम है। जिस तरह साहित्य समाज का दर्पण होता है , उसी तरह सिनेमा भी समाज को प्रतिबिंबित करता है।सिनेमा की शुरुआत से ही इसका समाज के साथ गहरा संबंध रहा है। प्रारंभ में इसका उद्देश्य मात्र लोगोका मनोरंजन करना भर था।अभी भी अधिकतर फिल्में इसी उद्देश्य को लेकर बनाई जाती हैंए इसके बावजूद सिनेमा का समाज पर गहरा प्रभाव पड़ता है।कुछ लोगों का मानना है कि सिनेमा समाज के लिए अहितकर है एवं इसके कारण अपसंस्कृति को बढ़ावा मिलता है। सिनेमा का प्रभाव समाज पर कैसा पड़ता है , यह समाज की मानसिकता पर निर्भर करता है।सिनेमा में प्रायः अच्छे एवं बुरे दोनों पहलुओं को दर्शाया जाता है।समाज यदि बुरे पहलुओं को महत्त्व दे तो इसमें सिनेमा का क्या दोष है?

भारत की पहली फिल्म थी दादासाहब फाल्के द्वारा रचित राजा हरिश्चन्द्र।यह मूक फिल्म वर्ष 1913 में बनाई गई थी।भारत में इंपीरियल फिल्म कंपनी द्वारा आर्देशिर ईरानी के निर्देशन में वर्ष 1931 पहली बोलती फिल्म 'आलम आरा' बनाई गई।प्रारंभिक दौर में भारत में पौराणिक एवं ऐतिहासिक के साथ सवाक फिल्मों का बोलबाला रहा।किंतु समय बीतने के साथ सामाजिक, राजनीतिक एवं साहित्यिक फिल्मों का भी बड़ी संख्या में निर्माण किया जाने लगा। वर्तमान समय में भारतीय फिल्म उद्योग विश्व में दूसरे स्थान पर है। आज हमारी फिल्मों को ऑस्कर पुरस्कार मिल रहे हैं। यह हम भारतीयों के लिए गर्व की बात है। आज देश के बुद्धिजीवी वर्गों द्वारा 'नो वन किल्ड जेसिका', 'नॉकआउट', 'पीपली लाइव' व 'तारे ज़मी पर' फिल्में सराही जा रही हैं।जो समाज में फैली बुराइयों व उनके समाधान को दर्शाती हैं।ऐसी फिल्मों का समाज पर गहरा प्रभाव पड़ता है एवं लोग सिनेमा से शिक्षा ग्रहण कर समाज सुधार के लिए कटिबद्ध होते हैं। इस प्रकार आज भारत में बनाई जाने वाली स्वस्थ एवं साफ-सुथरी फिल्में सामाजिक व सांस्कृतिक मूल्यों को पुनर्स्थापित करने की दिशा में भी कारगर सिद्ध हो रही हैं।

उपरोक्त गद्यांश के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

प्रश्न1. भारतीय सिनेमा की पहली मूक फिल्म का नाम बताइए। इसके निर्देशक कौन थे?

प्रश्न.2 साहित्य की तरह सिनेमा भी समाज को प्रतिबिम्बित करता है। तर्क दीजिए ।

प्रश्न 3 निम्न में से कौन-सा पुरस्कार फिल्म क्षेत्र में नहीं दिया जाता है-

क. दादा साहेब फाल्के

ख. राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार

ग. आइफा पुरस्कार

घ .द्रोणाचार्य पुरस्कार

प्रश्न 4 सही मिलान करें .

	फिल्म का नाम	नायक/ नायिका
क	तारे जमीन पर	1. अनिल कपूर
ख	मिस्टर इंडिय	2. आमिर खान
ग	ब्लैक	3. सुशांत सिंह राजपूत
घ	छिछोरे	4. रानी मुखर्जी

प्रश्न 5 आपके शहर के किसी सिनेमा हॉल की लंबाई 100 मीटर,चौड़ाई 50 मीटर तथा ऊंचाई 18 मीटर है।यदि प्रत्येक व्यक्ति को 150 घन मीटर की आवश्यकता होएतो हॉल में कितने व्यक्ति बैठ सकते हैं?

- **किरण बाला, प्रवक्ता, रा० क० व० मा० वि० डीघल,बेरी, झज्जर।**

प्रतिमान-11 बाल फिल्म महोत्सव **आधारित**

उपरोक्त विज्ञापन को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दें

1. बाल फिल्म महोत्सव की समाप्ति कब होगी?
   - क. 23 फरवरी 10 बजे पूर्वाहन
   - ख. 23 फरवरी 4 बजे अपराहन
   - ग. 23 फरवरी 4 बजे पूर्वाहन
   - घ. 21 फरवरी 10 बजे पूर्वाहन
2. बाल फिल्म महोत्सव में प्रवेश के लिए कितनी फीस ली जाएगी?
3. इनमें से कौन से विकल्प में शब्दों को हिन्दी शब्दकोश (Dictionary) के अनुसार लगाया गया है?
   - क. कला, फरवरी, बच्चे, महोत्सव, रवि
   - ख. फरवरी, बच्चे, रवि, महोत्सव, कला
   - ग. महोत्सव, रवि, बच्चे, कला, फरवरी
   - घ. रवि, कला, बच्चे, महोत्सव, फरवरी
4. उपरोक्त सूचना के अनुसार बिहार राज्य के कला , संस्कृति एवं युवा विभाग के प्रधान सचिव कौन हैं?
5. यदि बाल फिल्म महोत्सव में प्रति घंटा बिजली की खपत 60 यूनिट है और एक यूनिट का खर्च 8 रुपए है तो बताइये कि 22 फरवरी 2019 के दिन कितने रुपए की बिजली खर्च होगी ?

-चेतना जाठोल **बी0 आर0 पी0** हिन्दी , मातनहेल **, झज्जर**

प्रतिमान-12 जब सिनेमा ने बोलना सीखा आधारित

उपरोक्त विवरण को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दें

1. इनमें से कौन सी फिल्म भारत के प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम के ठीक सौ साल बाद प्रदर्शित हुई?

   क. नया दौर

   ख. शोले

   ग. हम आपके हैं कौन

   घ. राजा हिंदुस्तानी

2. ऐसी पहली भारतीय फिल्म कौन सी थी जिसने 1000 करोड़ से ज्यादा की कमाई की ?

3. इनमें से कौन सा पुरस्कार सिनेमा से संबन्धित नहीं है ?

   क. ऑस्कर

   ख. फिल्म फेयर

   ग. दादा साहब फाल्के

   घ. द्रोणाचार्य

4. यदि एक अमरीकी डॉलर का मूल्य 60 रूपये के बराबर है तो बताइये कि शोले फिल्म की कमाई कितने डॉलर हुई ?

5. यदि मुग़ल-ए-आज़म फिल्म के निर्माता ने फिल्म की कुल कमाई का 15% हिस्सा दान कर दिया तो उसके पास कुल कितनी राशि बचेगी ?

-चेतना जाठोल **बी0 आर0 पी0** हिन्दी , मातनहेल **, झज्जर**

प्रतिमान-13 जब सिनेमा ने बोलना सीखा आधारित

बालीवुड में हरियाणवी पृष्ठभूमि पर लगातार फिल्म निर्माण हो रहा है। लम्बे समय से बालीवुड सिनेमा में हरियाणवी कलाकारों की धाक रही है। चाहे दिवंगत सुनील दत्त का दौर हो या फिर रणदीप हुड्डा। इसके बावजूद 51सालों में हरियाणवी सिनेमा अपनेपांवो पर खड़ा नहीं हो सका। इस अवधि का दौरान एक आध कलाकार को छोडकर किसी ने भी हरियाणवी सिनेमा की मजबूती के लिए कोई कदम उठाया हो। देश के फिल्म उद्योग में करीब दो दर्जन कलाकार ऐसे हैं, जो हरियाणा की सरजमीं से ताल्लुक रखते हो।इनमेशास्त्रीय संगीत के पुरोधा पंडित जसराज से लेकर फिल्म अभिनेता रणदीप हुड्डा, राजकुमार राव, यशपाल शर्मा और फिल्म अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा तक शामिल है। हरियाणा में अब तक सत्ता में रही कोई भी सरकार इन कलाकारों का इस क्षेत्र में बखूबी इस्तेमाल नहीं करपाई है। हरियाणवी सिनेमा की अगर बात करे तो 51साल में सिर्फ 43फिल्मे सामने आ पाई है। इसने से आधा दर्जन फिल्मेहीऐसी हैं, जो दर्शकों के दिलो दिमाग पर अपनी अमिट छाप छोड़ पाई है।उचित फिल्म नीति के अभाव में और हरियाणा मूल के कलाकारों की उदासीनता का ही नतीजा है की आज हरियाणवी सिनेमा पहचान के लिए छटपटा रहा है।

प्र० 1 हरियाणवी सिनेमा अपने पांवो पर खड़ा क्यों नहीं हो सका?

प्र० 2 **किसी एक प्रसिद्ध हरियाणवी फिल्म का नाम लिखिए**?

प्र० 3. हरियाणवी सिनेमा को एक सरकार कैसे मजबूती दे सकती है?

प्र० 4 यदि एक हरियाणवी फिल्म का बजट 1 करोड़ रूपये हैं तो इस पर 20 प्रतिशत टैक्स लगता हो तो इसका कुल बजट क्या होगा?

प्र० 5 रणदीप हुड्डा एक फिल्म के 2 करोड़ रूपये लेता है इसमें से वह 10 प्रतिशत लोन में, 1 प्रतिशत बच्चों की स्कूल फीस पर चुका देता है तो कुल शेष आय कितनी होगी?

- **करनैल सिंह, बी. आर. पी. हिंदी, ब्लाक राजौंद, कैथल**

प्रतिमान-14 जब सिनेमा ने बोलना सीखा आधारित

जब हम बच्चों को टी0वी0 देखने पर डांटते है तो बच्चे अपनी पसंद की फिल्म को छोडना नहीं चाहते और माता–पिता से थोडे से समय की मोहलत माँगते है लेकिन फिल्मों की जुडती कड़ियाँ, गीत–संगीत उर में बस जाता है तथा दर्शकों को अंत तक जुडे रहने के लिए विवश कर देती है। ये आर्कषण यूहीं नहीं बनता। आरम्भ में जब फिल्में बिना आवाज की बनती थी तथा श्याम व श्वेत रूप में आती थी, लोग उनको देखते थे लेकिन वे इतनी रोचक नहीं थी। ज्यों– ज्यों फिल्मों में आवाज का आर्विभाव हुआ तथा उसमें संगीत का पुट जुड़ा तो वे सातवें आसमान पर पहुँच गई। भारतीय फिल्मों के जनक दादा फाल्के ने जब फिल्मों का सफर शुरू किया। फिर अवाक फिल्मों का दौर चला। 1931 में 'आलम आरा' बोलती फिल्म ने एक नए दौर की शुरूआत की। धीरे–धीरे रंगीन फिल्मों की शुरूआत ने फिल्म जगत में क्रांति ला दी। नायक, नायिकाओं की अदाओं ने दर्शकों का दिल जीत लिया । राजकपुर, किशोर कुमार, दलिप कुमार, धर्मेन्द्र, अमिताभ बच्चन, जितेन्द्र, अमीर खान, हेमा, नूरजहां, रेखा, श्री देवी, नूतन आदि का इस जगत में बोल बाला रहा है। वहीं अपने सुरीले संगीत से भावविभोर करने वाले गायक/गायिकाओं का योगदान भी भुलाया नहीं जा सकता, लता मंगेसकर, आशा भोसले, रफी, मुकेश, किशोर अनुराधा पोसवाल आदि ने अपनी मधुर स्वर लहरियों से अपना लोहा मनवाया है। फिल्में किसी विशेष उद्‌देश्य को लेकर बनाई जाती है तथा शिक्षा प्रद होती है। जरूरत है उनमें छिपे संदेश को सकारात्मक रूप में अपना कर चलने की। मनोरंजन करना इसका दूसरा लक्ष्य है प्रथम तो शिक्षा देना है।

प्र01 फिल्मों के क्या – क्या उद्देश्य है?

प्र02 आरम्भ में कैसी फिल्में बनती थी ?

प्र03 आपको कौन –सी फिल्में पसंद है ? संक्षेप में लिखो।

प्र04 'तारे जमीन पर' फिल्म की बनाने की लागत लगभग 12 करोड़ रू0 आई तथा 131 करोड़ रू0 का कारोबार किया हो तो निर्माता निर्देशक को कितना लाभ हुआ होगा?

प्र05 अमिताभ बच्चन की कुल सम्पति 3600 करोड़ रू. है । 50 वर्षों के फिल्मी कैरियर में उनकी औसत वार्षिक आय कितनी होगी ?

- मामला राम प्रवक्ता, हिन्दी, रा. व. मा.वि. सोंगल कैथल

प्रतिमान-15 जब सिनेमा ने बोलना सीखा आधारित

हरियाणवी फिल्म 'लाडो–बसन्ती' एक बहादुर सैनिक हरबीर सिंह की देशभक्ति की कहानी है। कश्मीर में पोस्टिंग के दौरान हरबीर सिंह को कुछ गोपनीय दस्तावेज पहुँचाने की जिम्मेदारी सौंपी जाती है। एक गद्दार जासूस हिम्मत सिंह के कारण वह शत्रु सेना के हत्थे चढ़ जाता है। पकड़े जाने से हरबीर सिंह बड़ी चतूराई से गोपनीय फाईल एक झाड़ी के पास छुपा देता है तथा वायरलैस से इसकी सूचना भारतीय सेना के अधिकारी को दे देता है। उसे शहीद समझ लिया जाता है क्योंकि शत्रु सेना उसकी मोटरसाईकिल के पास जासूस हिम्मत सिंह की जली हुई लाश डाल देती है। भारत सरकार द्वारा नायक हरबीर सिंह को मरणोपरान्त वीर चक्र प्रदान किया जाता है। लगभग पन्द्रह वर्षों बार हरबीर सिंह संयोग से उसी दिन अपने गाँव पहुँचता है, जिस दिन उसकी बेटी बीरो की शादी है। शत्रु सेना द्वारा अमानवीय यातनाएँ देने के बावजूद भी जांबाज हरबीर सिंह भारतीय सेना के राज नहीं खोलतां। एक दिन अवसर पाकर वह शत्रु सेना के कब्जे से भाग जाता है। इस तरह उसकी पत्नी बसन्ती का अटूट विश्वास विजयी होता है कि एक दिन हरबीर अवश्य लौटेगा।

प्र01 स्कूल पर आधारित किसी फिल्म की कहानी में मुख्या पात्र कौन–कौन होंगें ?

प्र02 आप देशभक्ति के कौन–कौन से कार्य कर सकते हैं ?

प्र03 मूक फिल्मों से बोलती फिल्मों (सवाक् फिल्मों) के आरम्भ होने से कलाकारों पर क्या – क्या प्रभाव पडे ?

प्र04 एक फिल्म के निर्माण पर कुल 1,00,00000 रूपए खर्च हुए। फिल्म के प्रदर्शन से कुल अर्जित आय 1,25,00000 रूपए हुई। फिल्म के निर्माण से कुल कितने प्रतिशत लाभ हुआ ?

(क) 40 प्रतिशत (ख) 30 प्रतिशत (ग) 50 प्रतिशत (घ) 25 प्रतिशत

प्र05 एक सिनेमाघर में 275 लोगों के बैठने की व्यवस्था है। इसमें एक फिल्म को देखने आए दर्शकों को 150 रू0 प्रति दर्शक टिकट का मुल्य चुकाना पड़ा। इस फिल्म के एक शो से कितने रूपए मिले ?

(क) 30,000 रूपए (ख) 30,250 रूपए (ग) 41,250 रूपए (घ) 45,000 रूपए

–दीपक राविश, पी0जी0टी0 हिन्दी, रा0उ0वि0 नन्दकरण माजरा (कैथल)

प्रतिमान-16 जब सिनेमा ने बोलना सीखा आधारित

सिनेमा केवल मनोरंजन का साधन ही नहीं ,बल्कि सिनेमा समाज का दर्पण भी है। सिनेमा के बहुत से फायदे भी हैं। बच्चों के नज़रिए से देखें तो सिनेमा से हमें नई- नई जगहों के बारे में पता चलता है, सिनेमा मानसिक थकावट को दूर करता है और समाज में फैली बुराइयों के प्रति जागरूकता लाने का काम भी करता है, जैसे- अंधविश्वास के विषय पर बनी **पीके ,** शौच की समस्या पर बनी **टॉयलेट,** खेलों को बढ़ावा देने के लिए बनी **दंगल, पंगा** आदि फिल्में समाज पर प्रत्यक्ष प्रभाव डालती है। इसी तरह सिनेमा भारतीय इतिहास व संस्कृति को भी दर्शाता है जैसे **पद्मावत, मणिकर्णिका, तान्हाजी** आदि। विज्ञान के क्षेत्र में देश की उपलब्धियों को भी सिनेमा के माध्यम से लोगों तक पहुंचाया जाता है । जैसे- **परमाणु, मिशनमंगल, सर्जिकल स्ट्राइक** आदि। अतः जो सिनेमा अपने शुरुआती दौर में मूक था वह सिनेमा आज समाज की सशक्त आवाज़ बन गया है।

1. सिनेमा के अलावा मनोरंजन के लिए और क्या- क्या करते हैं?

2. व्यस्त जीवन में मनोरंजन क्यों आवश्यक है, कोई एक कारण बताओ।

3. खेलों को बढ़ावा देने वाली कुछ फिल्मों के नाम लिखो।

4. काजल ने 220 रुपए प्रति व्यक्ति के हिसाब से 5 सिनेमा की टिकटें खरीदी। एच डी एफ सी बैंक का कार्ड इस्तेमाल करने पर 5% कैश बैक मिला ,तो बताओ काजल को कितने रुपए वापस मिले?

5 . सीमा ने 10 चॉकलेट व 15 टॉफी खरीदी। सीमा के अलावा उसके 4 और दोस्त हैं सबमें बराबर बराबर बांटे तो किस अनुपात में टॉफी और चॉकलेट सबको मिलेगी ?

- संगीता, प्रवक्ता , जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान हुसैनपुर,रेवाड़ी

प्रतिमान-17 जब सिनेमा ने बोलना सीखा आधारित

आज के आधुनिक जमाने में सिनेमा का हमारे जीवन पर बहुत प्रभाव बढ़ गया है। अब हर दिन नये नये मल्टीप्लेक्स, माल्स खुल रहे है जिसमे हर हफ्ते नई नई फिल्मे दिखाई जाती है।इंटरनेट तकनीक सुलभ हो जाने से और नये नये स्मार्टफोन आ जाने की वजह से आज हर बच्चा, बूढ़ा या जवान अपने मोबाइल फोन में ही सिनेमा देख सकता है। आज हम अपने टीवी, कम्प्यूटर, लैपटॉप, फोन में सिनेमा देख सकते हैं। इस तरह इसका प्रभाव और भी व्यापक हो गया है। पिछले 50 सालों में यह देश में मनोरंजन का सशक्त साधन बनकर उभरा है। अब भारत में सिनेमा का व्यवसाय हर साल 13800 करोड़ से अधिक रुपये का है। इसमें लाखों लोगो को रोजगार मिला हुआ है। पूरे विश्व में भारत का सिनेमा उद्योग अमेरिका के उद्योग के बाद दूसरे नम्बर पर आता है।इससे फटाफट मनोरंजन मिलता है। यह जागरूकता बढ़ाने में मदद करता है। अब भारतीय सिनेमा वास्तविक घटनाओं को दिखा रहा है जैसे– स्त्रियों की माहवारी से जुडी समस्याओं एवम् शौच के विषय, जिसमे लोगो को बंद और पक्के टॉयलेट बनवाने प्रेरित किया गया है।भारतीय संस्कृति और परम्परा को सिनेमा के माध्यम से दर्शाया जाता है।सिनेमा के द्वारा सामाजिक बुराइयां जैसे दहेज, रिश्वत, बाल विवाह, सती प्रथा, कुपोषण, भ्रष्टाचार, किसानों की दुर्दशा, जातिवाद, छुआछूत, बाल मजदूरी आदि पर फिल्म बनाकर जनमानस को जागरूक किया जा सकता हैं इससे विभिन्न देशों की संस्कृतियों, धर्म और समाज के बारे में जानकारी मिलती है।कई बार सिनेमा में धूम्रपान, शराब पीने जैसे दृश्य चोरी, लूटपाट, हत्या, हिंसा, कुकर्म, बलात्कार, दूसरे अपराधों को बहुत अधिक दिखाने लगे है। जो बच्चों और युवाओं के कोमल मन पर बुरा असर डालते हैं। इसका भी बुरा असर समाज पर पड़ रहा है। आजकल सिनेमा में कई तरह के अश्लील, कामुक उत्तेजक दृश्य दिखाये जाते है जिससे युवाओं का नैतिक पतन हो रहा है। यह दर्शक को स्वप्न दिखाता है और उसे वास्तविकता से दूर ले जाता हैं। अक्सर लोग सिनेमा देखकर भटक जाते हैं। वो हीरो, नायक की तरह कपड़े पहनने की कोशिश करते है, उसी तरह से महंगे कपड़े पहनना चाहते है। ऊँची जिंदगी जीना चाहते है, कारों में घूमना चाहते है। पर वास्तविक जीवन में ये सब सम्भव नहीं हो पाता है।

कौशल एवम् सर्जनात्मक प्रश्न उत्तर ।

1. टेलीविजन पर प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों में से अपनी मनपसन्द किसी एक कार्यक्रम की चार विशेषताएं लिखें ?

2. आधुनिक युग में मानव जीवन पर सिनेमा के बढ़ते प्रभाव का वर्णन कीजिए?

3. यदि एक स्मार्टफोन की कीमत 20000 रुपये है तो वह 20% की छूट पर कितने रुपये में आएगा ?

(क) रू12000 (ख) रू 14500 (ग) रू 16000 (घ) रू 16500

4. भारतीय सिनेमा का व्यवसाय 13800 करोड़ का है यदि 20% का लाभ हो जाए तो कितने करोड़ की आमदनी प्राप्त होगी ?

5. वर्तमान सिनेमा जगत युवाओं के किन–किन नैतिक मूल्यों का ह्रास कर रहा है ?

रविन्द्र सिंह पी. जी. टी. रा. व. मा. वि. (कलावड़) , सरस्वती नगर (यमुनानगर)

प्रतिमान-18

प्रश्न 1. इस विज्ञापन में कौन सा सुनहरा अवसर है?

प्रश्न 2. यह विज्ञापन किस वस्तु का है आपके घर में किस कंपनी का प्रोडक्ट प्रयोग में लाया जाता है ? नाम बताइए

प्रश्न 3. इंटरव्यू (साक्षात्कार) कब और किस समय आयोजित किया गया है ?

प्रश्न 4. विज्ञापन कर्ता कंपनी के ऑफिस का पता बताइए ?

प्रश्न 5. यदि एक वॉशिंग पाउडर कंपनी में एक डिस्ट्रीब्यूटर का बेसिकवेतन 25000 रूपए है, उसे 3000 रूपए महंगाई भत्ता व 3200 रूपए परिवहन भत्ता मिलता है तो बताइए :

(i) डिस्ट्रीब्यूटर का कुल वेतन कितना होगा ?

(ii) 15 डिस्ट्रीब्यूटर को कंपनी कुल कितना वेतन देगी ?

- सुश्री ज्योति, **प्रवक्ता** , रा. व. मा. वि. इस्माईलपुर अंबाला खंड -1

प्रतिमान-19

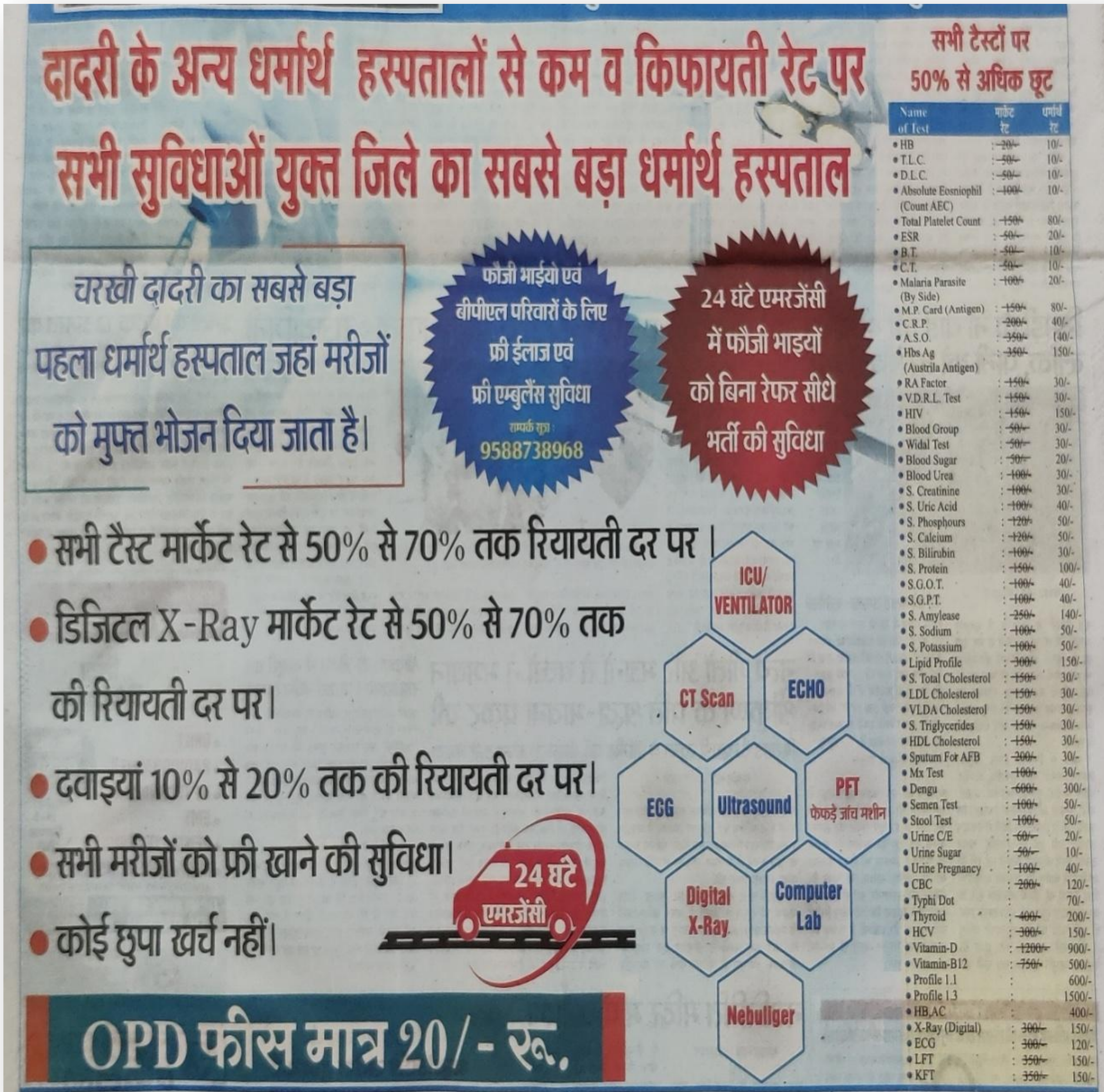

प्रश्न:1.पुष्पांजलि अस्पताल में ओ .पी .डी .की फीस कितनी है?

प्रश्न:2 पुष्पांजलि अस्पताल में Vitamin - B12 टैस्ट 750 /- में होता है। यदि मरीज को चालीस प्रतिशत की छूट मिले तो उसे कितने पैसे देने होंगे?

प्रश्न 3. अस्पताल में ब्लड का शूगर टैस्ट प्रति व्यक्ति ५०/-रु. तथा HB टैस्ट २०/ - है। एक परिवार में तेरह आदमी हैं, जिनमें चार का HB व सात का ब्लड शूगर टैस्ट होगा। यदि इन्हें दस प्रतिशत की छूट मिले तो मुखिया को कुल कितने पैसे देने पड़ेंगे ?

प्रश्न:4 अस्पताल में फौजी भाइयों के लिए क्या सुविधा है?

प्रश्न:5 अस्पताल में सूचना पत्रक के अनुसार मरीजों के लिए खाने की क्या व्यवस्था है?

- नवरत्न, **प्रवक्ता,** ज़िला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान बिरहीकलां, भिवानी।

प्रतिमान-20

प्रश्न-1 कोरोना वायरस का प्रकोप चीन के किस प्रांत से शुरू हुआ था ?

क. हुबेई ख. शेडोंग ग. वुहान घ. हेनान

प्रश्न-2 कोरोना वायरस से बचाव के लिए हमें किस प्रकार का भोजन खाना चाहिए ?

प्रश्न -3 क्रोना वायरस से बचाव कैसे करें ,क्या सावधानियां बरतें?

प्रश्न-4पेड़ कोरोना संक्रमण रोकने में किस प्रकार सहायक है?

प्रश्न-5 साधारण मास्क 5 रूपए का आता है और N-95 मस्क 30 रूपए का आता है मोहन को 200 रूपए में 30 मास्क लेने हैं उसे कौन से मास्क कितनी संख्या में लेने पड़ेंगे?

- बलबीर सिंह पूनिया **प्रवक्ता,जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मात्रशाम (हिसार)**

प्रतिमान-21

दुनियाभर की 165 कंपनियां टीका बनाने की दौड़ में, इनमें आठ भारतीय

अहम समझौते

कंपनी	वैक्सीन	संख्या	प्राप्तकर्ता देश
मॉडर्ना	एमआरएनए1273	1 अरब	अमेरिका, ब्रिटेन, ईयू
एस्ट्राजेनेका	एजेडी-1222	2.5 अरब	अमेरिका, भारत, लैटिन अमेरिका, यूरोप, चीन
फाइजर-बायोनटेक	बीएनटी 162बी2	75 करोड़	अमेरिका, जापान,ब्रिटेन
गामेलया रिसर्च	स्पूतनिक वी	1 अरब	रूस व 20 अन्य देश
जॉनसन एंड जॉनसन	एडी26	40 करोड़	अमेरिका

225 रुपये के करीब होगी सीरम में बन रहे एस्ट्राजेनेका के टीके की कीमत भारत में

02 अरब खुराक का करार सीपी, गावी अलायंस ने किया गरीब देशों के लिए

दशकों लगे टीका बनाने में

चिकेनपॉक्स	**28** साल
फ्लूमिस्ट	**28** साल
रोटावायरस	**15** साल
कोविड-19	**18** माह (अनुमान)

असफलता भी मिली

- वायरस सार्स 2002, मर्स 2012 में आया पर टीका नहीं बना
- 1976 से इबोला 24 बार कहर ढा चुका, 2019 दिसंबर में बना टीका

1. कोरोना से संक्रमित व्यक्तियों में ठीक होने की दर लगातार बढ़ती जा रही है। ऐसा किस कारण संभव है?

2. कोरोना के अलावा विश्व में फैलने वाले विभिन्न महामारियों की जानकारी दीजिए।

3. कोरोना की दवाई बनाने में कौन-कौन से देश प्रमुख हैं किन्ही 3 के नाम लिखिए ?

4. कोरोना की दवाई की एक खुराक की कीमत यदि 225 रूपए है तो 2 अरब लोगों को खुराक देने के लिए कितने धन की आवश्यकता होगी?

5. दुनियाभर की कंपनियों में से कितने % कम्पनियाँ भारत से हैं जो कोरोना की दवाई बनाने में लगी हैं ?

- डॉ ० अजय सिंह, प्रवक्ता,जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मात्रशाम (हिसार)

उत्तरमालाः

प्रतिमान -1

उत्तर-1 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 -बाल-श्रम

उत्तर-3 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-4 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-5 -102000 रूपए

प्रतिमान -2

उत्तर-1 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-3 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-4 -24 केले

उत्तर-5 - 400 रूपए

प्रतिमान -3

उत्तर-1 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-3 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-4 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-5 10 वर्ष 6 महीने 10 दिन

प्रतिमान -4

उत्तर-1 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-3 द्रोण- द्रुपद

उत्तर-4 -249 की छूट

प्रतिमान -5

उत्तर-1 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-3 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-4 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-5 21000 रु.

प्रतिमान -6

उत्तर-1 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-3- 23 करोड़

उत्तर-4 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-5 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

प्रतिमान -7

उत्तर-1 उपरोक्त सभी

उत्तर-2 उपरोक्त सभी

उत्तर-3 एक व दो दोनों

उत्तर-4 4*4/5

उत्तर-5 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

प्रतिमान -8

उत्तर-1 हास्य कलाकार

उत्तर-2 राजकपूर,देवानंद,दलीप कुमार, श्रीदेवी आदि

उत्तर-3 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-4 - 8 टिकट

उत्तर-5 -26.5 घंटे

प्रतिमान -9

उत्तर-1 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-3 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-4 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-5 8.25 करोड़

प्रतिमान -10

उत्तर-1 दादासाहब फाल्के द्‌वारा रचित राजा हरिश्चन्द्र

उत्तर-2 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-3 द्रोणाचार्य

उत्तर-4 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-5 -600 व्यक्ति

प्रतिमान -11

उत्तर-1 23 फरवरी अपराह्न 4 बजे

उत्तर-2 नि:शुल्क

उत्तर-3 कला, फरवरी, बच्चे, महोत्सव, रवि

उत्तर-4 श्री रवि मनु भाई परमार

उत्तर-5 2400 रूपए

प्रतिमान -12

उत्तर-1 नया दौर

उत्तर-2 मदर इण्डिया

उत्तर-3 द्रोणाचार्य

उत्तर-4 25 करोड़ डॉलर

उत्तर-5 1700 करोड़

प्रतिमान -13

उत्तर-1उचित फिल्म नीति के अभाव में और हरियाणा मूल के कलाकारों की उदासीनता का ही नतीजा है

उत्तर-2 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-3 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-4 - 1.20 करोड़

उत्तर-5 -1.78 करोड़

प्रतिमान -14

उत्तर-1 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 अवाक फ़िल्में

उत्तर-3 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-4 -9.16 %

उत्तर-5 - 72 करोड़

प्रतिमान -15

उत्तर-1 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-3 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-4 25%

उत्तर-5 41250

प्रतिमान -16

उत्तर-1 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-3 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-4 -55 रूपए

उत्तर-5 - 2 चाकलेट:3 टाफी

प्रतिमान -17

उत्तर-1 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-3 -16000

उत्तर-4 2760 करोड़

उत्तर-5 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

प्रतिमान -18

उत्तर-1 डिस्ट्रीब्यूटर बनने का

उत्तर-2 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-3 18 से 20 अगस्त सुबह 10 से 1 बजे तक

उत्तर-4 सत्य चैम्बर 2366 राजगुरु रोड पहाड़गंज दिल्ली

उत्तर-5 (i)31200 (ii) 468000 रूपए

प्रतिमान -19

उत्तर-1 – 20 रूपए

उत्तर-2 -450 रूपए

उत्तर-3-387 रूपए

उत्तर-4 फ्री इलाज फ्री एम्बुलेंस सेवा

उत्तर-5 फ्री भोजन व्यवस्था

प्रतिमान -20

उत्तर-1 वुहान

उत्तर-2 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-3 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-4 स्वच्छ वायु देकर

उत्तर-5 2 N95-मास्क / 28 सामान्य मास्क

प्रतिमान -21

उत्तर-1 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-3 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-4 -450 अरब

उत्तर-5 लगभग 4.8 %